गंजबासौदा में अतिक्रमण पर प्रशासन सख्त

खास बातें

- एसडीएम अनुभा जैन ने दिए निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश
- अधिकारियों-कर्मचारियों को चेतावनी

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 19 मई, शहर में लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण को लेकर प्रशासन अब सख्त नजर आ रहा है. पटवारी सभा कक्ष में आयोजित बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई. बैठक में निर्णय लिया गया कि पक्के-कच्चे मकान, दुकान, खोखा और गुमटियों सहित सभी प्रकार के अतिक्रमण बिना किसी पक्षपात के हटाए जाएंगे.

बैठक में अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि कार्रवाई सभी पर समान रूप से होगी और यह मेरा-वह तेरा जैसी स्थिति बर्दाश्त नहीं की जाएगी. नवीन बस स्टैंड की अव्यवस्थित स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा गया कि वहां मनमाने ढंग से दुकानें लगाई जा रही हैं, जिससे पूरा क्षेत्र कचरा घर में तब्दील होता जा रहा है.

बैठक में पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में बड़े व्यापारियों और पूंजीपतियों द्वारा किए गए अतिक्रमण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा. आरोप लगाए गए कि कुछ प्रभावशाली लोगों को राजनीतिक संरक्षण मिलने के कारण नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी कार्रवाई करने से बचते रहे हैं. यही वजह है कि वर्षों से अतिक्रमण लगातार बढ़ता गया.

शासकीय भूमि की बिक्री और रजिस्ट्री पर उठे सवाल

बैठक में यह मुद्दा भी उठा कि शासकीय भूमि पर स्थायी निर्माण कैसे हुए और उनकी रजिस्ट्री बिना जांच-पड़ताल के कैसे हो गई. वक्ताओं ने कहा कि केवल अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि उन लोगों और कर्मचारियों की भी जांच होनी चाहिए जिन्होंने मिलीभगत से सरकारी जमीन को निजी भूमि में बदलने का काम किया.

यातायात बाधित, दुर्घटनाओं का बढ़ रहा खतरा

रेलवे स्टेशन से सावरकर चौक, जय स्तंभ चौक से विजय नगर कॉलोनी तथा जय स्तंभ चौक से बेतोली रेलवे फाटक तक सड़क किनारे फैले अतिक्रमण को शहर की यातायात व्यवस्था के लिए गंभीर समस्या बताया गया. बैठक में कहा गया कि इन अतिक्रमणों के कारण आम लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है और दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है.

अब कार्रवाई के परिणाम पर टिकी शहरवासियों की नजर

शहरवासियों का कहना है कि वर्षों से नोटिस जारी करने की परंपरा तो चली आ रही है, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई. अब लोगों की नजर अनुभा जैन के नेतृत्व में चलने वाले अतिक्रमण हटाओ अभियान पर टिकी हुई है. आने वाले दिनों में यह साफ हो जाएगा कि प्रशासन इस अभियान को कितनी मजबूती और निष्पक्षता के साथ आगे बढ़ाता है.

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में रायसेन जिले के मेडिकल स्टोर रहेंगे बंद

- अवैध ऑनलाइन दवा विक्रय और छोटे केमिस्टों के संरक्षण की मांग को लेकर प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

सांची 19 मई, ऑनलाइन माध्यम से हो रही अवैध दवा बिक्री एवं छोटे केमिस्टों के सामने उत्पन्न हो रहे संकट को लेकर रायसेन जिले के केमिस्ट एवं दवा विक्रेताओं ने प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए 20 मई 2026 को एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल का ऐलान किया है. ज्ञापन में ऑनलाइन दवा बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने तथा छोटे व्यापारियों के हितों की सुरक्षा की मांग की गई है.

ज्ञापन में बताया गया कि लंबे समय से संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद इंटरनेट के माध्यम से हो रही दवा बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी है. इसी के विरोध स्वरूप ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट तथा मध्यप्रदेश राज्य केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आव्हान पर रायसेन जिले के समस्त केमिस्ट एवं दवा विक्रेताओं ने आंदोलन में भाग लेने का निर्णय लिया है.दवा विक्रेताओं ने ज्ञापन में उल्लेख किया कि बिना स्पष्ट वैधानिक प्रावधानों के ऑनलाइन दवाओं की बिक्री, फर्जी ई-प्रिस्क्रिप्शन, बिना चिकित्सकीय परामर्श के घर-घर दवा वितरण तथा अत्यधिक छूट जैसी गतिविधियां मरीजों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही हैं. साथ ही इससे छोटे लाइसेंसधारी केमिस्टों के अस्तित्व पर भी संकट गहराता जा रहा है.ज्ञापन में यह भी कहा गया कि ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 एवं नियम 1945 में ऑनलाइन दवा बिक्री को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं होने के बावजूद विभिन्न ऑनलाइन कंपनियां वर्षों से दवाओं का विक्रय कर रही हैं. कोविड काल में जारी अधिसूचनाओं के वर्तमान परिस्थितियों में दुरुपयोग किए जाने का आरोप भी लगाया गया है.दवा विक्रेताओं ने सरकार से ऑनलाइन दवा बिक्री पर स्पष्ट नीति बनाने, अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने तथा छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा करने की मांग की है.ऑनलाइन कारोबार और पारंपरिक व्यापार के बीच बढ़ते टकराव ने अब जिले के दवा व्यवसायियों को आंदोलन का रास्ता अपनाने पर मजबूर कर दिया है.

एक नजर में

पीएम किसान योजना में बायोमेट्रिक ई-केवायसी अनिवार्य

नवभारत न्यूज

विदिशा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएमकिसान) के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की सहायता राशि तीन समान किश्तों में प्रदान की जाती है.योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए हितग्राहियों का ई-केवायसी, आधार लिंकिंग, बैंक खाते का डीबीटी हेतु इनेवल तथा फार्मर आईडी होना आवश्यक है.भारत सरकार के निर्देशानुसार पीएम किसान योजना का लाभ निरंतर प्राप्त करने हेतु सभी हितग्राहियों को प्रतिवर्ष बायोमेट्रिक माध्यम से ई-केवायसी कराना अनिवार्य किया गया है. विदिशा जिले में वर्तमान वर्ष के दौरान कुल 2 लाख 31 हजार 310 हितग्राहियों का बायोमेट्रिक ई-केवायसी पूर्ण किया जाना है, जिसकी अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है.ई-केवायसी की प्रक्रिया तीन माध्यमों से पूरी की जा सकती है.

ग्रामीण क्षेत्रों में नलकूप से मोटर पंप हटाए गए, गांवों में पुन: चालू किए गए हैंडपंप

नवभारत न्यूज

विदिशा, जल समस्या और आपसी विवादों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा ग्रामों में सार्वजनिक हैंडपंपों को पुन: चालू कराने की कार्रवाई की जा रही है.प्राप्त जानकारी के अनुसार संबंधित हैंडपंप पर ग्रामवासियों द्वारा लगभग 5 वर्ष पूर्व जनसहयोग से मोटरपंप लगाया गया था, जिससे ग्रामीणों को पानी उपलब्ध कराया जा रहा था. हाल ही में ग्राम पंचायत बेरखेड़ी के खेजड़ा गांव में आपसी विवाद के चलते एक परिवार द्वारा पानी नहीं दिए जाने की शिकायत प्रशासन को प्राप्त हुई थी तथा अखबारों में प्रकाशित खबर के आधार पर शिकायत के परीक्षण के बाद सार्वजनिक उपयोग को प्राथमिकता देते हुए नलकूप से मोटरपंप हटवा दिया गया है.अधिकारियों ने बताया कि संबंधित स्थान पर पुन: हैंडपंप स्थापित करने की कार्रवाई की जा रही है तथा हैंडपंप को पूरी तरह चालू कर दिया जाएगा, जिससे सभी ग्रामीणों को समान रूप से पेयजल उपलब्ध हो सकेगा.

रेडक्रॉस के साथ टीएल बैठक में शिविर की जिम्मेदारियां सौंपी

29 मई को गंजबासौदा में लगेगा विशाल नि :शुल्क स्वास्थ्य एवं सेवा शिविर

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा विदिशा द्वारा आगामी 29 मई 2026 को मानस भवन, पुराने मेला ग्राउंड गंजबासौदा में आयोजित होने वाले विशाल निशुल्क स्वास्थ्य एवं सेवा शिविर को लेकर गंजबासौदा में शासकीय टीएल बैठक आयोजित की गई. बैठक में अनुभा जैन एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा विदिशा के सचिव संदीप उदयवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे.

बैठक के दौरान शिविर के सफल आयोजन एवं अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई. बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर, नगर पालिका सीएमओ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे.इस अवसर पर एसडीएम अनुभा जैन ने सभी विभागों से समन्वय बनाकर शिविर को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों तक इसकी जानकारी पहुंचाने का आग्रह किया. वहीं रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव संदीप उदयवाल ने कहा कि यह शिविर सेवा एवं मानवता की भावना से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जरूरतमंद लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न प्रकार की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी.

बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी एवं जिला रेडक्रॉस सदस्य ऋषि जालोरी, समाजसेवी सीएम साहू, जे.के. हॉस्पिटल भोपाल से डिप्टी एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिसर भूपेंद्र सिंह बघेल, पीआरओ दीपक सोनी, समाजसेवी लालचंद कुशवाह एवं रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्य एवं पत्रकार ओमप्रकाश चौरसिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से शिविर में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने एवं जरूरतमंद नागरिकों तक सेवा कार्य पहुंचाने का आग्रह किया गया.

ढकना-चपना में महिला बाल विकास विभाग द्वारा कुपोषण मुक्ति अभियान आयोजित

- पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ . प्रभुराम चौधरी ने किया शुभारंभ
- 30 बच्चों को वितरित की गई फूड किट

नवभारत न्यूज

सांची, महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में ग्राम ढकना-चपना पंचायत परिसर में मंगलवार को कुपोषण मुक्ति अभियान का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी द्वारा किया गया. इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि तथा विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे. जानकारी के अनुसार अभियान का उद्देश्य कुपोषित बच्चों को पोषण सहायता उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य में सुधार लाना एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण के प्रति जागरूकता फैलाना है. कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रभुराम चौधरी द्वारा 30 कुपोषित बच्चों को फूड किट वितरित की गई.कार्यक्रम में सांची जनपद पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, एलटी फाउंडेशन के अधिकारी, ग्राम पंचायत सरपंच कोमल मालवीय, महिला एवं बाल विकास के अधिकारी, सुपरवाइजर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे.

बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य पर दिया जोर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा कि बच्चों को कुपोषण से मुक्त करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है. उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं संतुलित आहार पर विशेष ध्यान देने की अपील की. उन्होंने कहा कि जागरूकता एवं सही पोषण के माध्यम से ही बच्चों को कुपोषण मुक्त बनाया जा सकता है.कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों को पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में अवगत कराते हुए उनका लाभ लेने की अपील की.कुपोषण मुक्ति अभियान ने ग्रामीण क्षेत्र में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूकता का सकारात्मक संदेश दिया.

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक एंड हार्डवेयर के विद्यार्थियों को मिल रहा कौशल प्रशिक्षण

नवभारत न्यूज

सांची. शासकीय सांदीपनि विद्यालय सांची में व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत संचालित आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक एंड हार्डवेयर ट्रेड के विद्यार्थियों को ऑन द जॉब ट्रेनिंग के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है. विद्यार्थियों का 20 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 1 मई से 31 मई तक संचालित किया जा रहा है, जिसमें छात्र-छात्राएं प्रतिदिन चार घंटे तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं.

प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को एमएस ऑफिस, साइबर सिक्योरिटी, कंप्यूटर हार्डवेयर, नेटवर्किंग तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही हैं. इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कार्यप्रणाली, कंप्यूटर सिस्टम मेंटेनेंस एवं डिजिटल तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है.प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को तकनीकी क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से अवगत कराते हुए व्यवसाय स्थापना संबंधी मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है. इससे छात्रों में तकनीकी दक्षता, आत्मविश्वास तथा रोजगारपरक कौशल का विकास हो रहा है.विद्यालय के प्राचार्य अनिल दीक्षित के मार्गदर्शन में आईटी शिक्षक पुरुषोत्तम कुशवाह एवं इलेक्ट्रॉनिक एंड हार्डवेयर शिक्षिका सोनम राजपूत के निर्देशन में प्रशिक्षण कार्य संपादित किया जा रहा है.विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इस प्रकार के कौशल प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को भविष्य में रोजगार प्राप्त करने में सहायता मिलेगी. तकनीकी शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण का यह समन्वय विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार कर रहा है.

आज सुबह 10 से शाम 5 बजे तक बंद रहेगी बिजली सप्लाई

नवभारत न्यूज

पठारी. विभागीय कारणों के चलते मंगलवार को स्थगित किया गया विद्युत कार्य अब बुधवार 20 मई 2026 को किया जाएगा. विद्युत विभाग द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक 33/11 केवी उपकेंद्र पठारी में आवश्यक ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि कार्य किया जाएगा. इसके चलते 11 केवी पठारी टाउन, बिसलोनी ग्रामीण घरेलू, काकलखेड़ी घरेलू, बीलाखेड़ी घरेलू, कांकलखेड़ी पंप एवं बिसलोनी पंप फीडरों से जुड़ी विद्युत सप्लाई बाधित रहेगी. विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए बताया कि कार्य की आवश्यकता के अनुसार बिजली बंद रहने का समय घटाया या बढ़ाया जा सकता है. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के नागरिकों से आवश्यक कार्य पहले से निपटाने की सलाह दी गई है.

बड़े मंगल पर बजरंग बली का दिव्य श्रृंगार

- दीपदान और संकीर्तन से भक्तिमय हुआ वातावरण
- पुरुषोत्तम मास में मंदिरों में बह रही भक्ति की सरिता, गूंज रहा सीताराम नाम

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर नगर इन दिनों पूरी तरह भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंगा नजर आ रहा है. मंदिरों में दीपदान, भजन-कीर्तन और संकीर्तन के आयोजन निरंतर जारी हैं. जेठ के बड़े मंगल पर नगर के प्रसिद्ध मंदिरों में बजरंगबली का अलौकिक श्रृंगार किया गया. फूलों, दीपों और आकर्षक सजावट से सजे मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दर्शन के लिए उमड़ पड़ी.

नगर के नौलखी मंदिर, चक हनुमान मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, दीपदान और संकीर्तन का आयोजन हुआ. मंदिर परिसर में गूंजते भजन, दीपों की जगमगाहट और बजरंगबली के दिव्य श्रृंगार ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया. श्रद्धालुओं ने देर रात तक भक्ति रस में डूबकर संकीर्तन में भाग लिया.धार्मिक मान्यता के अनुसार पुरुषोत्तम मास में किया गया जप, तप, दान, संकीर्तन और तीर्थ सेवन विशेष पुण्य प्रदान करता है. यही कारण है कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन दिनों वृंदावन, गोवर्धन और मथुरा पहुंचकर गिरिराज परिक्रमा, राधा-कृष्ण दर्शन और संकीर्तन में शामिल हो रहे हैं.

अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक अभिषेक कृष्ण शास्त्री ने कहा कि भगवान विष्णु को समर्पित यह पावन माह साधना, भक्ति, दान और आत्मशुद्धि का श्रेष्ठ समय माना गया है. यही कारण है कि नगर के मंदिरों में इन दिनों प्रतिदिन दीपदान, भजन-कीर्तन और संकीर्तन के आयोजन हो रहे हैं.

7 वर्षों से निरंतर हो रहा सीताराम संकीर्तन

नगर के नौलखी मंदिर में पिछले सात वर्षों से प्रतिदिन शाम को एक घंटे का सीताराम संकीर्तन निरंतर आयोजित किया जा रहा है. बिना किसी विराम के चल रही यह परंपरा अब श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन चुकी है. प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु सीताराम-सीताराम के अखंड जाप में शामिल होकर आध्यात्मिक आनंद का अनुभव करते हैं.मंगलवार को बड़े मंगल के अवसर पर विशेष भजन-कीर्तन के बाद भक्तों को आम रस का प्रसाद वितरित किया गया. भीषण गर्मी के बीच श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की. मंदिर परिसर में देर रात तक भक्तों की आवाजाही बनी रही.राममनोहर दास जी महाराज ने कहा कि पुरुषोत्तम मास केवल धार्मिक अनुष्ठानों का समय नहीं, बल्कि भक्ति, सेवा और संस्कारों की ज्योति प्रज्वलित करने का अवसर है.वहीं संजय पाठक ने बताया कि तीन वर्षों में एक बार आने वाला अधिक मास सनातन धर्म में अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है और यह भगवान विष्णु की आराधना का विशेष काल होता है.

परेशानी — महिला मंडल ने एसडीएम से लगाई स्थायी समाधान की गुहार

ककरावदा ग्राम में पेयजल संकट गहराया

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 19 मई, सत्यार्थी मूवमेंट फॉर ग्लोबल कम्पैशन संगठन की बाल मित्र ग्राम परियोजना के अंतर्गत आने वाले बाल मित्र ग्राम ककरावदा के आदिवासी टपरों में गहराते पेयजल संकट को लेकर महिला मंडल की सदस्यों ने अनुभा जैन को आवेदन सौंपकर समस्या के स्थायी समाधान की मांग की.

ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि अन्य घरेलू उपयोग के लिए उन्हें लगभग एक किलोमीटर दूर स्थित निजी खेत की डबरी से पानी लाना पड़ता है. कई बार खेत मालिक वहां से पानी लेने से मना कर देता है, जिससे ग्रामीणों की परेशानी और अधिक बढ़ जाती है.

महिला मंडल की सदस्यों ने बताया कि आदिवासी टपरों के सभी परिवारों को पिछले पांच वर्षों से नल-जल योजना के तहत कनेक्शन तो दिए गए हैं, लेकिन योजना लंबे समय से बंद पड़ी हुई है. क्षेत्र में जलस्तर अत्यधिक नीचे चले जाने के कारण घंटों हैंडपंप चलाने के बाद भी मुश्किल से कुछ बाल्टियां पानी निकल पाता है. गर्मी के मौसम में यह समस्या हर वर्ष विकराल रूप धारण कर लेती है.

चारों हैंडपंप बंद, दूषित पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

महिलाओं ने बताया कि ग्राम के आदिवासी टपरों में लगे चारों हैंडपंप बंद पड़े हैं और एक भी हैंडपंप चालू अवस्था में नहीं है. ग्रामीण महिलाएं पीने के पानी के लिए केवल एक कुएं पर निर्भर हैं, लेकिन उसमें भी पानी लगातार कम होता जा रहा है तथा कीचड़युक्त गंदा पानी निकल रहा है. दूषित पानी पीने के कारण गांव के बच्चे और बुजुर्ग बीमार पड़ रहे हैं.

एसडीएम ने पीएचई विभाग को दिए जांच के निर्देश

महिलाओं ने एसडीएम अनुभा जैन से नल-जल योजना को शीघ्र प्रारंभ कराने की मांग करते हुए कहा कि इससे गांव की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा.मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम ने तत्काल लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को फोन पर अवगत कराया तथा मौके पर पहुंचकर स्थिति की जांच करने और नल-जल योजना को जल्द चालू कराने के निर्देश दिए.

धर्म आडंबर नहीं, सरलता, सेवा और संवेदना का मार्ग-मुनि श्री उद्यमसागर महाराज

नवभारत न्यूज

विदिशा, स्टेशन जैन मंदिर में आयोजित प्रात:कालीन धर्मसभा में मुनि श्री उद्यमसागर महाराज ने धर्म की वास्तविक परिभाषा बताते हुए कहा कि धर्म किसी विशेष आडंबर, दिखावे या बाहरी क्रियाओं का नाम नहीं है, बल्कि जीवन में सरलता, संवेदना, संयम और सदाचार को आत्मसात करने का नाम है. उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति अपने जीवन में अच्छे संस्कार, सेवा का भाव, आत्मचिंतन और विनम्रता को स्थान दे दे, तो धर्म स्वत: जीवन का हिस्सा बन जाता है.प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया कि धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे. मुनि श्री ने अपने सहज, प्रेरणादायी और व्यावहारिक उद्बोधन में कहा कि आज अधिकांश लोग भगवान के दरबार में जाकर सांसारिक सुख-सुविधाओं की कामना करते हैं. उन्होंने कहा, मैं मांगने के लिए मना नहीं कर रहा, लेकिन ऐसा मांगो कि फिर दोबारा मांगना न पड़े.मुनि श्री ने कहा कि प्रभु से धन, वैभव और क्षणिक सुविधाएं मांगने के स्थान पर सम्यक दृष्टि, सच्चा ज्ञान, आत्मबल, संतोष और मोक्षमार्ग पर चलने की प्रेरणा मांगनी चाहिए. उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति को सही दिशा और आत्मसंतोष मिल जाता है, तब उसकी इच्छाएं स्वत: सीमित हो जाती हैं.उन्होंने किसान का उदाहरण देते हुए कहा कि किसान हमेशा अच्छी फसल की अपेक्षा करता है. यदि फसल अच्छी होगी तो भूसा अपने आप मिल जाएगा. उसी प्रकार यदि व्यक्ति के जीवन में सही मार्ग, संतोष और सम्यक दृष्टि आ जाए, तो संसार की अन्य वस्तुएं स्वत: गौण हो जाती हैं.धर्मसभा में मुनि श्री ने विनम्रता और सद्व्यवहार पर विशेष बल देते हुए कहा कि व्यक्ति को कभी किसी का उपहास नहीं करना चाहिए. दूसरों की हंसी उड़ाना केवल सामने वाले का अपमान नहीं, बल्कि अपने संस्कारों की दुर्बलता का परिचायक भी है. धर्म हमें संवेदनशीलता, करुणा और सहअस्तित्व का संदेश देता है.उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को भी धर्म से जोड़ते हुए कहा कि वर्तमान समय में कुओं और जल स्रोतों का अभाव बढ़ता जा रहा है. यदि जल और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियों के लिए गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है. उन्होंने कहा कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रकृति और जीवों के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी धर्म का ही स्वरूप है.मुनि श्री ने कहा कि व्रती जीवन व्यक्ति के भीतर करुणा और संवेदना को विकसित करता है. छोटी-छोटी अच्छी आदतें, सेवा का भाव, संयमित जीवनशैली और आत्मचिंतन व्यक्ति को भीतर से बदल देते हैं.